

नेहरू की समकालीन प्रासंगिकता का एक अध्ययन

अजीत प्रताप सिंह

सहायक आचार्य (इतिहास)

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, अकबरपुर, अंबेडकरनगर

शोध सारांश

जवाहर लाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। वे एक दूरदर्शी राजनेता थे। उनका दृष्टिकोण सदैव वैज्ञानिक था। वे लोकतांत्रिक समाजवाद के प्रति आग्रही थे। वे भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया। वे आधुनिक भारत के वास्तविक निर्माता थे। उन्होंने अपने प्रयासों से राष्ट्र निर्माण का कार्य किया। उन्होंने दुनिया को पंथनिरपेक्षता का न केवल पाठ पढाया अपितु जीवन जीकर दिखाया। वे अभिव्यक्ति की आजादी के बड़े पैरोकार थे। वे देश में चाहते थे कि बड़े बड़े बांध बने जिससे सिंचाई की व्यवस्था सुचारू हो सके। वह भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे थे तभी वह विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना करायी। वह तृण मूल लोकतंत्र के समर्थक थे तथा गांधी के विचारों को आचरण में प्रयोग करते थे।

मुख्य शब्द:

लोकतंत्र, समाजवाद, वैज्ञानिक, पंथनिरपेक्ष, आधुनिकता, राष्ट्र,